शोध-पत्र

"झालावाड़ जिले की जनसंख्या का एक भौगोलिक अध्ययन "

डॉ. L. C. अग्रवाल
पी. एच. डी. पर्यवेक्षक

जीतेन्द्र कुमार मेहर
पीएच.डी शौधार्थी
कैरियर पॉइन्ट यूनिवर्सिटी, कोटा (राज.)

प्रस्तावना –

जनसंख्या :– जनसंख्या आमतौर पर एक ही क्षेत्र मे लोगों की संख्या को संदर्भित करती है। चाहे वह शहर, क्षेत्र देश या दुनिया हो सरकारे आम तौर पर एक जनगणना की प्रक्रिया द्वारा अपने अधिकार क्षेत्र मे निवास आबादी के आकार को मापती ळें जनसंख्या किसी क्षेत्र मे कम व किसी क्षेत्र मे ज्यादा जनसंख्या निवास करती हैं।

जनसंख्या भूगोल मानव भूगोल का एक प्रभाग हैं। यह उन तरीकों का अध्ययन हैं। जिसमे आबादी के वितरण, संरचना प्रवासन और वृद्धि मे स्थानिक भिन्नताऐं स्थानों की प्रकृति से संबंधित है। जनसंख्या भूगोल मे भौगोलिक परिप्रेक्ष्य में जनसांख्यिकी शामिल है।

यह जनसंख्या वितरण की उन विशेषताओं पर ध्यान केन्द्रित करता है। जो स्थानिक संदर्भ मे बदलती है। जनसंख्या वितरण चार्ट के माध्यम से दिखाएं जा सकते हैं। कुछ चार्ट जो जनसंख्या के स्थानीकता को दर्शाते हैं। जनसंख्या प्राचीन समय की तुलना मे वर्तमान समय में अत्यधिक जनसंख्या बड़ी है। चिकित्सा सुविधा परिवहन सुविधा, जल सुविधा, विद्युत सुविधा आदि के कारण जनसंख्या का वितरण बड़ा है।

साहित्यावलोकन :– झालावाड़ में जनसंख्या शिर्षक के माध्यम से झालावाड़ की जनसंख्या, जनसंख्या के लिए प्रस्तुत शोध पत्र में समाधान प्रस्तुत किये गये है। एवं भविष्य मे इनको सुरक्षित रखा जा सकता है। इनका भी विवरण शोध पत्र में किया गया है। प्रस्तुत शोध पत्र तैयार करने मे जनगणना प्रतिवेदन 2011 व DISTRICT CENSUS HAND BOOK JHALAWAR DISTRICT 1951, 1961, 1971, 1981 1991, 2001, 2011 CENSUS RAJASTHAN AND AJMER Dr. YAMUNA LAL DASHORA, POPULATION WEOMRAPHY - S.D. MAURYA ,POPULATION GEOGRAPHY - MOHAMMAD IZHAR HASSAN, POPULATION GEOGRAPHY DR. CHATURABHUJ MAMORIYA Dr. SANTOSH

KUMAR DANGI सहित कई साहित्यिक पुस्तको का विवेचन किया गया है। इसमे झालावाड़ की जनसंख्या गणना के विविध स्रोत बताया गया है। प्रस्तुत शोध पत्र में यह भी बताया कि झालावाड़ की जनसंख्या मे महत्वपूर्ण स्थान है। इसके माध्यम से ही झालावाड़ मे जनसंख्या वृद्धि मे कैसे परिवर्तन किया जा सकता है। यथा सम्भव साहित्य का गुणवत्ता से अध्ययन करने के बाद 2011 के पश्चात जनगणना नहीं हुई है ।

शोध विधि :– प्रस्तुत शोध पत्र में झालावाड़ मे जनसंख्या को जनगणना प्रतिवेदन के अनुसार प्रकट किया गया है। जनगणना प्रतिवेदन जो द्वितीयक आंकड़े की अनुसार सहायता से अन्वेषित किये गया है। इसमे द्वितीयक आँकड़े अपेक्षित विभागों में जाकर एकत्रित किये गये हैं। प्राप्त आँकड़ो को उपयुक्त सांख्यिकी विधियों के द्वारा विश्लेषित एवं संश्लेषित किया गया है। इसके अलावा मानचित्र निर्माण उचित मापनी पर लिया गया है। साथ ही मुल्यांकन को अधिक स्पष्ट बनाने के लिए आरेख व तालिकाओं कि सहायता से शोध पत्र को प्रमाणिकता प्रदान कि गई हैं।

अध्ययन क्षेत्र :– प्राकृतिक सौंदर्य तथा खनिज सम्पदाओ से भरपुर विंध्याचल पर्वत मालाओं से अवस्थित इस जिले का विस्तृत भू–भाग समुंद्र तल से 350 फीट ऊचाई पर स्थित है। यह जिला राजस्थान के दक्षिणी–पूर्वी छोर पर 23 45 20'' से 24 52 17'' उत्तरी अक्षांश एवं 75°27′ 35'' से 76°56′ 48'' पूर्वी देशान्तर तक मालवा के पठार के उपरी भाग मे स्थत है यहां पर मुकुन्दरा हिल्स काफी ज्यादा क्षेत्रफल में फैला हुआ है। जिले का कुल भौगोलिक क्षेत्रफल 6219 वर्ग कि.मी. है । सन् 2011 के जनगणना प्रतिवेदन के आधार पर जिले कि कुल जनसंख्या 1411129 है।

शोध उद्देश्य :– जनसंख्या कि दृष्टि से झालावाड़ जिले का प्रमुख स्थान है । जनसंख्या, ग्रामीण क्षेत्रों की तुलना में शहरों में अधिक पाया जाता है अतः इन तत्वों को दृष्टिगत रखते हुए शोध पत्र का सृजन किया जाता है इसकी पूर्ति के निम्नलिखित उद्देश्यों को आधार बनाया गया है

1.झालावाड़ जिले का जनसंख्या मे वर्तमान स्तर ज्ञात करना।

2.जनसंख्या क्षेत्र का स्वामी क्षेत्रीय विश्लेषण एवं विवेचन करना।

3.जनसंख्या में होने वाले कालिक व स्थानिक परिवर्तनों का विश्लेषण करना।

झालावाड़ जिले में जनसंख्या का तहसील अनुसार वितरण वर्ष - 2011

क्र.म. संख्या	तहसील	कुल जनसंख्या	ग्रामीण	शहरी
1	खानपुर	173193	159345	13848
2	झालरापाटन	356707	242470	114237
3	अकलेरा	178571	152331	26240
4	मनोहर थाना	143075	131783	11292
5	पचपहाड	179418	137135	42283
6	पिडावा़	212679	199872	12807
7	गंगधाऱ	167486	158902	8584

1. **खानपुर** :– जनगणना वर्ष 2011 के अनुसार खानपुर तहसील की कुल जनसंख्या 173193 थी तथा क्षेत्रफल 952.55 वर्ग कि.मी. था यहां की ग्रामीण एवं नगरीय जनसंख्या क्रमशः 159345 व 13848 थी ग्रामीण क्षेत्रो की तुलना मे खानपुर तहसील की शहरी जनसंख्या 145497 कम थी।

2. **झालरापाटन** :– जनगणना वर्ष 2011 के अनुसार झालरापाटन की जनसंख्या 356707 थी जिसमे ग्रामीण एवं शहरी जनसंख्या क्रमशः 242470 व 114237 थी ग्रामीण क्षेत्रों की तुलना मे 114237 जनसंख्या कम थी झालावाड़ जिले की सभी तहसीलों से मे से सर्वाधिक जनसंख्या झालरापाटन तहसील की थी।

3. **अकलेरा** :– जनगणना वर्ष 2011 के अनुसार अकलेरा तहसील कुल जनसंख्या 178571 थी तथा ग्रामीण एवं शहरी जनसंख्या की क्रमशः 152331 व 26240 थी ग्रामीण जनसंख्या शहरी जनसंख्या की तुलना में 126231 कम थी।

4. **मनोहर थाना** :– जनगणना वर्ष 2011 के अनुसार मनोहर थाना तहसील की कुल जनसंख्या 143075 थी तथा ग्रामीण एवं शहरी जनसंख्या क्रमशः 131783 व 11 232 थी। ग्रामीण जनसंख्या शहरी जनसंख्या की तुलना में 10491 कम थी सभी तहसीलों में से मनोहर थाना तहसील की जनसंख्या सबसे कम थी ।

5. **पचपहाड़** :– जनगणना 2011 के अनुसार पचपहाड़ तहसील की कुल जनसंख्या 179418 थी जिसमे ग्रामिण एवं शहरी जनसंख्या क्रमशः 137135 व 42283 थी शहरी क्षेत्रों की तुलना मे ग्रामिण क्षेत्रो मे बहुत कम जनसंख्या निवास करती है।

6. **पिडावा** :– जनगणना 2011 के अनुसार पचपहाड़ तहसील की कुल जनसंख्या 212679 थी जिसमे ग्रामिण एवं शहरी जनसंख्या क्रमशः 199872 व 12807 थी शहरी क्षेत्रों की तुलना मे ग्रामिण क्षेत्रो मे बहुत कम जनसंख्या निवास करती है।

7. **गंगधार** :– जनगणना 2011 के अनुसार पचपहाड़ तहसील की कुल जनसंख्या 167486 थी जिसमे ग्रामिण एवं शहरी जनसंख्या क्रमशः 158902 व 8584 थी शहरी क्षेत्रों की तुलना मे ग्रामिण क्षेत्रो मे बहुत कम जनसंख्या निवास करती है।

निष्कर्ष :– जनसंख्या की दृष्टि से झालावाड़ जिले का विशेष स्थान रहा है। जनसंख्या वृद्धि के हिसाब से जनसंख्या वृद्धि में राजस्थान के सभी जिलों की तुलना में मध्य स्थान पर रहा है। जनसंख्या वृद्धि पिछले 10 दशकों की तुलना में झालावाड़ जिले की जनसंख्या में तेजी के साथ वृद्धि हुई है। यहां जनसंख्या पिछले दशको की तुलना में तेजी से बढ़ी है । जिसके कारण –जल सुविधा, कृषि व्यवस्था, चिकित्सा सुविधा, विद्युत सुविधा, आदि के कारण जनसंख्या तीव्र गति से बढ़ी है। तथा जनसंख्या नियंत्रण के भी उपाय किये गये है जो जनसंख्या वृद्धि को रोकने मे कारगर साबित हुए है। यहां पर स्थित प्राकृतिक एवं सांस्कृतिक कारणों के कारण जनसंख्या अत्यधिक झालावाड़ की और आकर्षित हुई है। तथा भौतिक एवं प्राकृतिक तथा अनुकुल वातावरण के कारण पिछले दशको कि तुलना में जनसंख्या वृद्धि हुई है।

संदर्भ ग्रंथ सूची –

प्रस्तुत शोध पत्र तैयार करने मे जनगणना प्रतिवेदन 2011 व DISTRICT CENSUS HAND BOOK JHALAWAR DISTRICT 1951, 1961, 1971, 1981 1991, 2001, 2011 CENSUS RAJASTHAN AND AJMER Dr. YAMUNA LAL DASHORA, POPULATION WEOMRAPHY - S.D. MAURYA ,POPULATION GEOGRAPHY - MOHAMMAD IZHAR HASSAN, POPULATION GEOGRAPHY DR. CHATURABHUJ MAMORIYA Dr.

SANTOSH KUMAR DANGI सहित कई साहित्यिक पुस्तको का विवेचन किया गया है। इसमे झालावाड़ की जनसंख्या गणना के विविध स्रोत बताया गया है।